बड़े औद्योगिक घरानों को भाने लगा बीडा, जाँची जा रही भौगोलिक स्थिति

500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेशकों को पहले दी जाना है जमीन

झाँसी : तेजी से आकार लेने को आतुर बीडा के पहले चरण में स्थापित होने वाले उद्योगो का खाका खींचा जाने लगा है। पिछले 15 दिन में एक दर्जन बड़े औद्योगिक घराने यहाँ जमीन देखने के लिए आ चुके हैं। अधिकतर ने बीडा में निवेश करने की इच्छा जतायी है, जिनसे करार करने की तैयारी की जा रही है।

पिछले महीने लखनऊ में बीडा (बुन्देलखण्ड इण्डस्ट्रियल डिवेलपमेण्ट अथॉरिटि) की बोर्ड बैठक लखनऊ में हुयी थी। इसमें पहले चरण में उन उद्यमियों को जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित किया गया था, जो 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने को तैयार हैं। झाँसी में उद्योग स्थापित करने के लिए निवेशक पहले से ही तैयार थे। उन्होंने इन्वेस्टर्स समिटि के तहत यहाँ निवेश करने की इच्छा जतायी थी। लगभग 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए 352 एमओयू (मेमोरेण्डम ऑफ अण्डरस्टेण्डिंग) पर हस्ताक्षर भी हो चुके थे, लेकिन मनमाफिक जमीन न मिलने से अधिकांश निवेशक आगे नहीं बढ़े। अब बीडा बोर्ड की बैठक से उन्हें प्रोत्साहन मिला तो अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनीज ने यहाँ भौगोलिक स्थिति का जायजा ले चुके हैं। अधिकांश निवेशकों ने अम्बाबाय, ढिकौली और सारमऊ में सम्भावनाएं तलाशते हुए ट्रेफिक कनेक्टिविटि पर फोकस रखा।

यह कम्पनि यूनिट लगाने को तैयार

बीडा प्रबन्धन के अनुसार कार्बोनेटेड शीतल पेय बनाने वाली पेप्सी, इण्टर्नशिप कराने वाली वहदम टीस प्राइवेट लिमिटेड, बहुराष्ट्रीय खाद्य एवं पेय कम्पनि अदानी विल्मर, सिट्रस बनाने वाली सिट्रस प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड, स्नैक्स बनाने वाली डीजीएम फूड कम्पनि के प्रतिनिधि यहाँ का दौरा कर चुके हैं।उन्होंने बीडा में निवेश करने की इच्छा जतायी है।

इन्होंने कहा

'बीडा देश का सबसे बड़ा इण्डस्ट्रियल हब बनने जा रहा है। यहाँ यूनिट्स लगाने के लिए निवेशक लगातार

सम्पर्क में हैं। 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेशक भी एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। जमीन की वर्गीकरण होने के बाद निवेशकों को माँग के अनुसार भूमि उपलब्ध करायी जाएगा।'

अमृत त्रिपाठी
सीईओ, बीडा